GOVT. GIRLS' COLLEGE, AJMER

(NAAC ACCREDITED)

Affiliated with M.D.S. University, Ajmer

Department of Hindi

Activity Report

2023-2024

Dr. Vimlesh Sharma	Dr. Anju	Mr.JaiKrishna Tripathi

गतिविधि प्रतिवेदन **2023-24**

हिन्दी विभाग के तत्त्वावधान में सत्र पर्यन्त अनेक शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन सत्र-पर्यन्त किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमानुसार कक्षाएँ लेने, आयुक्तालय के निर्देशानुसार मासिक परीक्षाएँ आयोजित करने एवं छात्राओं के समग्र विकास, साहित्यिक रुझान और भाषायी समझ को विकसित एवं संवर्धन करने के लिए महत्त्वपूर्ण क़दम नियमित कक्षाओं के माध्यम से उठाए गए।

आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर के आदेशानुसार राजस्थान सरकार के अभियान ' राजस्थान मिशन 2030 ' के तहत आज दिनांक 5 सितंबर, 2023 को हिन्दी विभाग, साहित्यिक मंच एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में प्राचार्य डॉ. मंजुला मिश्रा की अध्यक्षता में भाषण प्रतियोगिता के प्रथम एवं द्वितीय चरण का आयोजन किया गया | संयोजक प्रोफेसर शमा खान ने बताया कि प्रथम चरण में कला वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय तथा एम. ए. उत्तरार्द्ध (हिंदी) की कुल 16 छात्राओं ने भाग लिया । द्वितीय चरण में प्रथम चरण में चयनित 10 छात्राओं ने भाग लिया । प्रतियोगिता में चेष्टा सिंह लखावत बी.ए. द्वितीय वर्ष प्रथम , अदिति यादव बी .कॉम.प्रथम वर्ष द्वितीय तथा नेहा दाधीच बीएससी द्वितीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्नातकोत्तर के प्रथम चरण में खुशबू जैलिया प्रथम, भारती बनाफल द्वितीय एवं प्रियंका गोयल तृतीय पर रहीं | भाषण प्रतियोगिता के प्रथम एवं द्वितीय चरण की विजेता छात्राओं को प्राचार्य डॉ. मंजुला मिश्रा ने महाविद्यालय स्तर पर प्रशस्ति - पत्र प्रदान कर सम्मानित किया | निर्णायक श्रीमती दुर्गा खत्री, सुश्री कविता चौधरी एवं श्रीमती ममता सिंह रहें | कार्यक्रम के सफल संचालन में श्रीमती सीमा माथुर , प्रोफेसर कल्पना शर्मा एवं डॉ. निहारिका राठौड़ ने सहयोग किया।

दिनांक 14- 9 - 2023 को हिंदी विभाग के तत्वावधान में हिंदी दिवस के शुभावसर पर स्वरचित काव्य - पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें कला, वाणिज्य, विज्ञान संकाय की स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की 29 छात्राओं ने सहभागिता निभाई। इस प्रतियोगिता के निर्णायक प्रोफेसर मंजुश्री गुप्ता, डॉ. अर्चना एवं श्रीमती अलका पंवार रहें। इस अवसर पर प्रोफेसर प्रवीण मिर्धा ने अपने विचार अभिव्यक्त करते हुए छात्राओं को अच्छा श्रोता बनने, अधिकाधिक स्तरीय पुस्तकों का अध्ययन - मनन कर तत्पश्चात् लेखन क्षेत्र में प्रवृत्त होने के लिए प्रेरित किया । प्रोफेसर मंजुश्री गुप्ता ने ' प्लैनेटेरियम ' और श्रीमती अलका पंवार ने ' कविता क्या होती है ' शीर्षक से कविताओं का पाठ किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. मंजुला मिश्रा ने छात्राओं को हिंदी के महत्व, इसमें रोजगार के अवसर और हिंदी के वैश्विक विकास में हमारी सहभागिता के बारे में बताया । प्रोफेसर शमा खान ने छात्राओं को सही मायने में हिंदी का सम्मान व संवर्धन करने के लिए राज्य सरकार से प्राप्त मोबाइल में हिंदी का फॉन्ट डाउनलोड कर संदेश प्रेषण में देवनागरी लिपि का प्रयोग करने की शपथ दिलाई। प्राचार्य डॉ. मंजुला मिश्रा एवं हिंदी विभाग प्रभारी प्रोफेसर शमा खान ने काव्य - पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर ओजस्वी राठौड़ को 1100/- रुपये व प्रमाण - पत्र, द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर रिशिका सक्सेना को 500/- रुपये व प्रमाण - पत्र एवं स्नेहा शर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त करने पर 250/- रुपये व प्रमाण - पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। आज ही डीएवी महाविद्यालय , अजमेर में आयोजित अंतर

महाविद्यालय महात्मा हंसराज वाद - विवाद प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं चेष्टा सिंह लखावत और अनुष्का भट्ट ने तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में श्री जय कृष्ण त्रिपाठी, प्रोफेसर अवनी शर्मा, श्रीमती मीनाक्षी जैन, श्रीमती सीमा माथुर व श्रीमती दुर्गा खत्री ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विमलेश शर्मा ने किया। डॉ. अंजु ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

हिन्दी साहित्य की स्नातकोत्तर कक्षाओं हेतु शोध- पत्र लेखन की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमें साहित्य इतिहास समझी शोध-समझ को विकसित करने का प्रयास किया गया तथा निम्न बिन्दुओं पर शोध-पत्र लिखवाए गए।
१. काल - विभाजन एवं नामकरण २. हिन्दी साहित्य का आदिकाल ३. भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग है । ४.रीतिकाल:नामकरण , काव्यधाराएँ एवं प्रवृत्तियों ५. भारतेन्दु युग ६. द्विवेदी युग ७ . छायावाद ८, प्रगतिवाद ९. प्रयोगवाद १०. नई कविता ११. हिन्दी कहानी का विकास १२. हिन्दी उपन्यास का विकास १३. हिन्दी एकांकी का विकास १४. हिन्दी उपन्यास का विकास १५. रस सिद्धांत १६.. ध्वनि सिद्धान्त १७. वक्रोक्ति सिद्धांत १८. भाषा परिवर्तन के कारण १९. देवनागरी लिपि २०. लौजाइनस का उदात्त तत्त्व का सिद्धांत २१.क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद २२. कामायनी का दर्शन २३. सूरदास के भ्रमरगीत का वैशिष्ट्य २४. कबीर की प्रासंगिकता २५.मीरा का काव्य सौंदर्य २६. बाणभट्ट की आत्मकथा की मूल संवेदना और पात्र - योजना २७.वारेन हेस्टिंग्स का सांड कहानी के शीर्षक का औचित्य २८.प्रेमचंद के रंगभूमि उपन्यास में आधुनिकता बोध या जनचेतना २९. अंधायुध का पात्रों की प्रतीकात्मकता ३०. पृथ्वीराज रासो की प्रमाणिकता / अप्रमाणिकता ३१. अलंकार सिद्धांत ३२. रीति सिद्धांत ३३. प्रिय कवि ३४. प्रिय कथाकार ३५. प्रिय उपन्यासकार

दिनांक 10.01.2024 को विश्व हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में ज्ञानात्मक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस क्रम में डॉ. अंजू ने अपने व्याख्यान में हिन्दी की सर्वव्यापकता को बताते हुए छात्राओं को प्रवासी साहित्य एवं वैष्विक फलक पर हिन्दी के व्याप पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि हिन्दी विश्व की लोकप्रिय भाषाओं में से है, जिस पर अनेक विधाओं में सतत् लिखा जा रहा है तथा इसका विपुल पाठक वर्ग भी है। विभाग प्रभारी डॉ. विमलेश शर्मा ने इस अवसर पर अपने व्याख्यान में छात्राओं को यह जानकारी प्रदान की कि दुनिया भर में हिन्दी का विकास करने और एक अन्तरराष्ट्रीय भाषा के तौर पर इसे प्रचारित-प्रसारित करने के उद्देष्य से विश्व हिन्दी सम्मेलनों की शुरूआत की गई थी, यही कारण है कि इस दिन को विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर हिन्दी भाषा के महत्त्वपूर्ण साहित्यकारों के साहित्यिक अवदान पर भी बात की गई तथा गीतांजलि श्री के उपन्यास रेत समाधि के बहुविमर्षीय पक्ष पर भी छात्राओं को सारगर्भित जानकारी प्रदान की गई। हिन्दी विभाग द्वारा इस अवसर पर छात्राओं से प्रत्येक भाषा के शुद्ध प्रयोग का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं की हिन्दी भाषा और साहित्य के रोजगारोन्मुखी पक्ष से संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

दिनांक दो नवम्बर 2023 को साहित्यकारों की स्मृति व्याख्यान श्रृंखला में प्रभा खेतान की स्मृति में अस्मिता विमर्श और डॉ प्रभा खेतान का साहित्यिक अवदान

विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस परिसंवाद कार्यक्रम में डॉ विमलेश शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए हिन्दी साहित्य में अस्मितामूलक विमर्श का संक्षिप्त परिचय देते हुए हिन्दी विभाग की पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध की छात्राओं द्वारा किए गए शोधकार्यों का परिचय करवाया। वरिष्ठ आलोचक एवं साहित्यकार डॉ बीना शर्मा ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता अस्मिता विमर्श के संदर्भ में प्रभा खेतान के साहित्यिक अवदान को रेखांकित करते हुए उनकी आत्मकथा अन्यथा से अनन्या के महत्वपूर्ण उद्धरणों को रेखांकित करते हुए उसकी मूल संवेदना को विस्तार से व्याख्यायित किया। उन्होंने बताया कि प्रभा खेतान मानती है कि भूमंडलीकरण स्त्री के लिए जितना लाभ की स्थिति में रहा उससे अधिक हानिकारक साबित हुआ है. स्थानीय पूँजी का सीधा संबंध अंतरराष्ट्रीय पूँजी से है. अंतरराष्ट्रीय स्तर की माँग स्थानीय श्रम की गतिविधि को निर्धारित करती है. श्रम की सैद्धांतिक स्पष्टता जबतक श्रमजीवी स्त्री समझ नहीं लेती तब तक वह शोषण का विरोध नहीं कर पाएगी. प्रभा खेतान मानती हैं कि भूमंडलीय स्तर पर विश्व की स्त्री को अपनी स्थानीय समस्याओं को समझना होगा.। कार्यक्रम में 40 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए जिनमें अफ़साना बानो, ऋषिका सक्सेना, मेघा एवं खूशबू जैलिया ने आदिकाव्य, कबीर की प्रासंगिकता] रीतिकाल तथा छायावाद विषय पर प्रस्तुतियाँ दी। कार्यक्रम में साहित्य संवाद परिषद् - पीजी सेमिनार हिन्दी का भी गठन किया गया जिसमें अंकों नियमितता एवं सहभागिता के आधार पर खूशबू जैलिया, स्नातकोत्तर उत्तरार्ध की छात्रा अध्यक्ष पद पर, अफ़साना बानो, स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध की छात्रा उपाध्यक्ष पद पर, तुलसी गुजराती, स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध की छात्रा सचिव पद पर तथा ऋषिका सक्सेना संयुक्त सचिव के पद पर चुनी गईं । IQAC प्रभारी प्रो. मंजु श्री गुप्ता ने हिन्दी साहित्य की आधुनिक प्रवृतियों को रेखांकित किया एवं अपनी कविता का पाठ किया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ मंजुला मिश्रा ने छात्राओं को उद्बोधित करते हुए साहित्य को जीवन से जोड़ने वाला अनुशासन बताते हुए उसका अध्ययन मनन आवश्यक बताया। हिन्दी की प्रवक्ता डॉ अंजु स्त्री विमर्श के महत्वपूर्ण हस्ताक्षरों को इंगित करते हुए आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम का संचालन एवं विषय प्रवर्तन श्री जय कृष्ण त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में प्रो. अवनि शर्मा] डॉ. दुर्गा खत्री] जया अग्रवाल आदि संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

स्नातकोत्तर साहित्य परिषद्, हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक 24 व 25 जनवरी को शोधपत्र वाचन, आशु भाषण, साक्षात्कार, प्रष्नोत्तरी तथा काव्य पाठ प्रतियोगितओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का प्रारम्भ सरस्वती वंदना तथा प्राचार्य डॉ. मंजुला मिश्रा के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने अपने उद्बोधन में स्नातकोत्तर की छात्राओं को साहित्य का महत्व बताते हुए कहा कि साहित्य मानव मनोभावों को समृद्ध करता है तथा चूंकि तथ्य रहित होता है अतः तार्किक समझ तथा सही और गलत के बीच भेद करने की बौद्धिकता भी प्रदान करता है यही कारण है कि साहित्य को नैतिक, मानवीय और विश्वबन्धुत्व के भाव पैदा करने वाला अनुशासन कहा जाता है। विभाग प्रभारी डॉ. विमलेश शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए सत्र पर्यन्त आयोजित की गई गतिविधियों का ब्यौरा प्रदान किया जिसमें विशिष्ट साहित्यकारों के स्मृति दिवस, हिन्दी दिवस तथा अन्य शोध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि साहित्य एक समृद्ध विधा है जिसमें रोजगार के भी अनेक अवसर विद्यमान है। हिन्दी विभाग के सदस्य श्री जयकृष्ण त्रिपाठी ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का संचालन

एवं विधार्थियों को प्रबोधित किया। प्रश्नोत्तरी में हिन्दी साहित्य के विधात्मक विकास एवं प्रवृत्तियों से संबंधित प्रश्न छात्राओं से पूछे गए। हिन्दी विभाग की पूर्व छात्रा कृपि जोशी ने जिसने हाल ही में नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है ने छात्राओ को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी किस प्रकार की जाए, इस विषय पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में वरिष्ठ संकाय सदस्य श्रीमती मीनाक्षी जैन ने भी छात्राओ को महाविद्यालय में नियमित रहने के लाभो से अवगत करवाया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अंजु ने हिन्दी साहित्य के रचनात्मक अवदान को रेखांकित करते हुए साहित्य के मौजूदा परिदृश्य पर अपने विचार रखे तथा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में स्नातकोत्तर हिन्दी की 54 छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की। प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहेः- 1. शोधपत्र वाचन प्रतियोगिता अफसाना बानो प्रथम ऋषिका सक्सेना द्वितीय मेघा एवं खुषबू जैलिया तृतीय 2. साहित्य संवाद परिषद् खुषबू जैलिया अध्यक्ष अफसाना बानो उपाध्यक्ष तुलसी गुजराती सचिव ऋषिका सक्सैना संयुक्त सचिव 3. आशु भाषण प्रतियोगिता पिंकी कँवर प्रथम चारू द्वितीय शीतल शर्मा तृतीय निकिता शर्मा सांत्वना 4. काव्य पाठ प्रतियोगिता प्रेरणा पाराशर प्रथम ऋषिका सक्सेना द्वितीय अफसाना बानो तृतीय चारू सांत्वना 5. साक्षात्कार प्रतियोगिता प्रेरणा पाराशर प्रथम पिंकी कंवर द्वितीय अफसाना बानो, शीतल शर्मा तृतीय 6. प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता पिंकी कंवर प्रथम खुषबू जैलिया द्वितीय शीतल शर्मा तृतीय रहां

साहित्यकार स्मरण शृंखला में दिनांक 12 अप्रेल 2024 को फणीश्वरनाथ रेणु की स्मृति में एक लोकगीत के विद्यापति विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ.विमलेश शर्मा , डॉ.अंजु तथा जयकृष्ण त्रिपाठी ने विस्तृत विचार व्यक्त किए।

सत्र पर्यन्त विभाग के सदस्यों द्वारा अतिरिक्त कक्षाएँ ली गईं जिनका उद्देश्य छात्राओं का भाषायी संवर्धन, सामान्य हिन्दी विषयक अतिरिक्त जानकारी एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु छात्राओं को तैयार करना रहा।

हिन्दी विभाग के सदस्य शोध संबंधी गतिविधियों एवं लेखन में भी लगातार संलग्न हैं एवं प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में लेखन कर रहें हैं। हिन्दी साहित्य में इस वर्ष एक छात्रा को शोध-उपाधि प्राप्त हुई। सुनीता कुमारी ने डॉ.विमलेश शर्मा के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण किया।

हिन्दी विभाग

1. डॉ.विमलेश शर्मा

2. डॉ.अंजु
3. श्री जयकृष्ण त्रिपाठी

Subhadra kumari chouhan jayanti - Lecture delivered by Dr. Vimlesh and Dr. Anju and poem recitation by students on dated 16-08-2023

का भाग का।

जिला परिषद लालत गायल उपास्थत रह।

राजकीय कन्या महाविद्यालय में शिक्षक दिवस मनाया, भाषण प्रतियोगिता आयोजित

अजमेर की आवाज

अजमेर। राजकीय कन्या महाविद्यालय अजमेर में आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर के आदेशानुसार राजस्थान सरकार के अभियान राजस्थान मिशन 2030 के तहत आज साहित्यिक मंच एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में प्राचार्य डॉ. मंजुला मिश्रा की अध्यक्षता में भाषण प्रतियोगिता के प्रथम एवं द्वितीय चरण का आयोजन किया गया।

संयोजक प्रोफेसर शमा खान ने बताया कि प्रथम चरण में कला वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय तथा एम. ए. उत्तरार्द्ध (हिंदी) की कुल 6 छात्राओं ने भाग लिया। द्वितीय चरण में प्रथम चरण में चयनित 0 छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में चेष्टा सिंह लखावत बी.ए. द्वितीय वर्ष प्रथम, अदिति यादव बी .कॉम.प्रथम वर्ष द्वितीय तथा नेहा दाधीच बीएससी द्वितीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्नातकोत्तर के प्रथम चरण में खुशबू जैलिया प्रथम, भारती बनाफल द्वितीय एवं प्रियंका गोयल तृतीय पर रहीं। भाषण प्रतियोगिता के प्रथम एवं द्वितीय चरण की विजेता छात्राओं को प्राचार्य डॉ. मंजुला मिश्रा ने महाविद्यालय स्तर पर प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

निर्णायक दुर्गा खत्री, सुकविता चौधरी एवं ममता सिंह रहें। कार्यक्रम के सफल संचालन में सीमा माथुर, प्रोफेसर कल्पना शर्मा एवं डॉ. निहारिका राठौड़ ने सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंजु ने किया। प्रोफेसर कल्पना शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मतदाता साक्षरता क्लब एवं एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में जिला परिषद के द्वारा ईवीएम मशीन का प्रदर्शन किया गया। मतदाता साक्षरता क्लब प्रभारी डॉ.सीमा माथुर ने बताया कि स्वीप अधिकारी ,जिला परिषद प्रेरित गुप्ता के द्वारा महाविद्यालय के नव मतदाता विद्यार्थियों को ईवीएम मशीन की कार्य प्रणाली के बारे में विस्तार से समझाया गया।इस अवसर पर छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे एवं ईवीएम से संबंधित जानकारी प्राप्त की। इसी के साथ ही इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. मंजुला मिश्रा द्वारा भी विद्यार्थियों को मतदान के महत्व को समझाते हुए विशेष रूप से नव मतदाता विद्यार्थियों को मतदान करने की प्रेरणा दी गई। डॉ. बृजकिशोर एवं डॉ. जया अग्रवाल के द्वारा मतदाता जागरूकता से संबंधित व्याख्यान भी दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.दुर्गा खत्री ने किया।

शिक्षक दिवस के अवसर पर आचार्य पद पर पदोन्नत आचार्यों का प्राचार्य डॉ. मंजुला मिश्रा ने सम्मान किया। राजस्थान मिशन 2030 पर पुन: चर्चा आयोजित की गई। जिसमें प्रोफेसर प्रवीण मिर्धा ने अकादमिक अवकाश में लचीलापन लाने एवं प्रोफेसर मंजुगुप्ता ने विश्वविद्यालय व प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल पर रोक लगाने के लिए कठोर कानून बनाने का सुझाव दिया।

स्नातकोत्तर के प्रथम चरण में खुशबू जैलिया प्रथम, भारती बनाफल द्वितीय एवं प्रियंका गोयल तृतीय पर रहीं | भाषण प्रतियोगिता के प्रथम एवं द्वितीय चरण की विजेता छात्राओं को प्राचार्य डॉ. मंजुला मिश्रा ने महाविद्यालय स्तर पर प्रशस्ति - पत्र प्रदान कर सम्मानित किया |

Lecture on Teachers' Day - 05-09-2023

Lecture on Language Proficiency in Hindi on dated 12-09-2023

Hindi Diwas on Dated 14-09-2023

1. **Lecture on Rashtra Bhasha Hindi**
2. **Poetry recitation**

राजकीय कन्या महाविद्यालय में हिंदी दिवस का आयोजन

अजमेर की आवाज

अजमेर। राजकीय कन्या महाविद्यालय अजमेर में हिंदी विभाग के तत्वावधान में हिंदी दिवस के शुभावसर पर स्वरचित काव्य-पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कला, वाणिज्य, विज्ञान संकाय की स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की 29 छात्राओं ने सहभागिता निभाई। इस प्रतियोगिता के निर्णायक प्रोफेसर मंजुश्री गुप्ता, डॉ. अर्चना एवं अलका पंवार रहें। इस अवसर पर प्रोफेसर प्रवीण मिश्रा ने अपने विचार अभिव्यक्त करते हुए छात्राओं को अच्छा श्रोता बनने, अधिकाधिक स्तरीय पुस्तकों का अध्ययन-मनन कर तत्पश्चात् लेखन क्षेत्र में प्रवृत्त होने के लिए प्रेरित किया।

प्रोफेसर मंजुश्री गुप्ता ने (प्लेनेटेरियम) और अलका पंवार ने (कविता क्या होती है) शीर्षक से कविताओं का पाठ किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. मंजुला मिश्रा ने छात्राओं को हिंदी के महत्व, इसमें रोजगार के अवसर और हिंदी के वैश्विक विकास में हमारी सहभागिता के बारे में बताया। प्रोफेसर शमा खान ने छात्राओं को सही मायने में हिंदी का सम्मान व संवर्धन करने के लिए राज्य सरकार से प्राप्त मोबाइल में हिंदी का फॉन्ट डाउनलोड कर संदेश प्रेषण में देवनागरी लिपि का प्रयोग करने की शपथ दिलाई।

प्राचार्य डॉ. मंजुला मिश्रा एवं हिंदी विभाग प्रभारी प्रोफेसर शमा खान ने काव्य - पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर ओजस्वी राठौड़ को 1100/- रुपये व प्रमाण - पत्र, द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर रिशिका सक्सेना को 500/- रुपये व प्रमाण - पत्र एवं खेता शर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त करने पर 250/- रुपये व प्रमाण - पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

आज ही डीएवी महाविद्यालय, अजमेर में आयोजित अंतर महाविद्यालय महात्मा हंसराज वाद-विवाद प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं चेष्टा सिंह लखावत और अनुष्का भट्ट ने तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में श्री जय कृष्ण त्रिपाठी, प्रोफेसर अवनी शर्मा, मीनाक्षी जैन, सीमा माथुर व दुर्गा खत्री ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विमलेश शर्मा ने किया। डॉ. अंजु ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बाबा रामदेव का जागरण व भण्डारा 16 सित. को

अरांई (अजमेर की आवाज)। में न्यू पावर हाउस के सामने बाबा रामदेव जी महाराज के 16 सितंबर भादवा सुदी एकम को जागरण व भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा तथा 17 सितंबर को विशाल भण्डारा व भोजन प्रसादी का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर समिति के पदाधिकारियों ने बैठक आयोजित की तथा लोगों से अधिक से अधिक मे सहयोग करने व भाग लेने की अपील की इस दौरान श्योदान गुर्जर, दामोदर रेगर, विश्राम रेगर सुरेश किराडिया गोठियाना घनश्याम रेगर नीरत हलवाई आदि मौजूद थे।

Lecture on Dinkar Jayanti on dated 23-09-2023

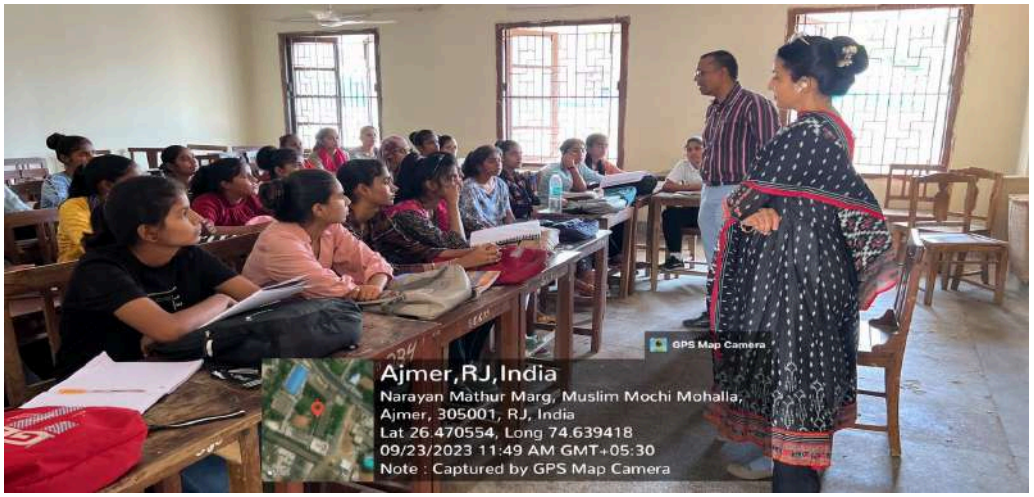

lecture on the subject of Asmita Vimarsh and literary contribution of Dr. Prabha Khaitan in memory of Prabha Khaitan on dated 02-11-2023

जीजीसीए • प्रभा खेतान की स्मृति में व्याख्यान, 40 शोधपत्र पढ़े

भूमंडलीकरण नुकसानदेह ज्यादा: डॉ. बीना

साहित्य अध्ययन-मनन जरूरी है: डॉ. मिश्रा

अजमेर | राजकीय गर्ल्स कॉलेज के हिंदी विभाग के तत्वावधान में गुरुवार को साहित्यकारों की स्मृति व्याख्यान शृंखला के तहत साहित्यिक कार्यक्रम हुआ। प्रभा खेतान की स्मृति में अस्मिता विमर्श और डॉ. प्रभा खेतान के साहित्यिक अवदान पर चर्चा की गई।

इस परिसंवाद में डॉ. विमलेश शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। उन्होंने हिंदी साहित्य में अस्मितामूलक विमर्श का संक्षिप्त परिचय दिया। वरिष्ठ आलोचक और साहित्यकार डॉ. बीना शर्मा बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुई थीं। उन्होंने अस्मिता विमर्श के संदर्भ में प्रभा खेतान के साहित्यिक अवदान को रेखांकित किया और उनकी आत्मकथा अन्या ! से अनन्या के महत्वपूर्ण उद्धरणों को रेखांकित किया। उसकी मूल संवेदना की विस्तार से व्याख्या की। उन्होंने कहा कि प्रभा खेतान मानती है कि भूमंडलीकरण स्त्री के लिए जितना लाभदायक रहा, उससे ज्यादा नुकसानदायक साबित हुआ है।

जीजीसीए में प्रभा खेतान के साहित्यिक अवदान पर हुई चर्चा।

उन्होंने कहा कि स्थानीय पूंजी का सीधा संबंध अंतरराष्ट्रीय पूंजी से है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की मांग स्थानीय श्रम की गतिविधि को निर्धारित करती है। इस कार्यक्रम में 40 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। अफसाना बानो, ऋषिका सक्सेना, मेघा और खुशबू जैलिया ने आदिकाव्य, कबीर की प्रासंगिकता, रीतिकाल और छायावाद विषय पर प्रस्तुतियां दी।

कार्यक्रम में साहित्य संवाद परिषद - पीजी सेमिनार हिंदी का भी गठन किया गया। अंकों नियमितता और सहभागिता के आधार पर खुशबू जैलिया को पीजी उत्तरार्द्ध की छात्रा अध्यक्ष पद पर चुना गया। अफसाना बानो को पीजी पूर्वार्द्ध की छात्रा उपाध्यक्ष पद पर, तुलसी गुजराती को पीजी उत्तरार्द्ध की छात्रा सचिव पद पर और ऋषिका सक्सेना को संयुक्त सचिव के पद पर चुना गया। प्रोफेसर मंजुश्री गुप्ता ने कविता पाठ भी किया। प्राचार्य डॉ. मंजुला मिश्रा ने साहित्य को जीवन से जोड़ने वाला अनुशासन बताते हुए उसका अध्ययन मनन जरूरी बताया। डॉ. अंजु ने स्त्री विमर्श के महत्वपूर्ण हस्ताक्षरों पर चर्चा की और आभार जताया। संचालन जय कृष्ण त्रिपाठी ने किया।

Debate competition organized under the joint aegis of Central Vigilance Commission, Divisional Railway Manager Personnel, IQAC, Literary Forum and Hindi Department on dated 07-11-2023

यूरोपीय देशों में अधिक थे किंतु होती है।

गर्ल्स कॉलेजः वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई

अजमेर | राजकीय गर्ल्स कॉलेज में बुधवार को केंद्रीय सतर्कता आयोग, मंडल रेल प्रबंधक उत्तर-पश्चिम रेलवे, अजमेर मंडल के सतर्कता जागरुकता सप्ताह के तहत वादविवाद प्रतियोगिता हुई। साहित्यिक मंच, हिंदी विभाग और आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वाधान में भ्रष्टाचार देश की सबसे बड़ी समस्या है विषय पर प्रतियोगिता में कुल 12 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। छात्रा लीजा प्रथम, प्रियांशी द्वितीय और चेष्टा सिंह लखावत और अनुष्का महावर तीसरे स्थान पर रही। प्राचार्य डॉ. मंजुला मिश्रा और अतिथियों ने विजेताओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया।

Danik Bhaskar
08-11-2023

World Hindi Day on dated 10-01-2024

PG Sahitya Parishad (Hindi Department) Activities- Extempore, Poetry Recitation, Research Paper Writing, Interview Preparation on dated 24-01-2024 and 25-01-2024

पत्रिका

राजकीय कन्या महाविद्यालय

'जीवन में साहित्य से ही समृद्ध होते हैं मनोभाव'

राजकीय कन्या महाविद्यालय में पीजी साहित्य परिषद् और हिन्दी विभा के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिताओं की विजेता छात्राएं।

शोधपत्र वाचन में अफसाना व काव्यपाठ में प्रेरणा प्रथम

अजमेर @ पत्रिका. राजकीय कन्या महाविद्यालय में पीजी साहित्य परिषद् और हिन्दी विभाग के तत्वावधान में गुरुवार को विभिन्न प्रतियोगिता हुई। प्राचार्य डॉ. मंजुला मिश्रा ने कहा कि जीवन में साहित्य से मानव मनोभाव समृद्ध होते हैं। विभाग प्रभारी डॉ. विमलेश शर्मा ने कहा कि साहित्य में रोजगार के कई अवसर मौजूद हैं। जयकृष्ण त्रिपाठी ने प्रश्नोत्तरी में सवाल पूछे। पूर्व छात्रा कृपि जोशी ने नेट परीक्ष तैयारी की जानकारी दी। मीनाक्ष जैन, डॉ. अंजु ने भी संबोधि किया। शोधपत्र वाचन प्रतियोगि में अफसाना बानो प्रथम, ऋषि सक्सेना द्वितीय, मेघा एवं खुश जैलिया तृतीय, आशुभाषण में पिंक कंवर प्रथम, चारू द्वितीय, शीत शर्मा तृतीय रही। निकिता शर्मा व सांत्वना पुरस्कार मिला। काव्यपा में प्रेरणा पाराशर प्रथम, ऋषि सक्सेना द्वितीय, अफसाना बा तृतीय और चारू को सांत्व पुरस्कार मिला। प्रश्नोत्तरी में पिंक कंवर प्रथम, खुश्बू द्वितीय, शीत शर्मा तृतीय रही।

26/01/2024 | Ajmer City | Page : 30
Source : https://epaper.patrika.com/

दैनिक नवज्योति Ajmer City - 26 Jan 2024 - Page 16
करान म कराब 60 हजार कराड़ रुपए खच का सभावना ह।

स्नातकोत्तर साहित्य परिषद का आयोजन

साहित्य मानव मनोभावों को करता है समृद्ध

कासं./अजमेर

राजकीय कन्या महाविद्यालय के स्नातकोत्तर साहित्य परिषद् और हिन्दी विभाग द्वारा बुधवार और गुरुवार को आशु भाषण, साक्षात्कार, प्रश्नोत्तरी तथा काव्य पाठ प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्राचार्य डॉ. मंजुला मिश्रा ने साहित्य का महत्व बताते हुए कहा कि साहित्य मानव मनोभावों को समृद्ध करता हैं और तथ्य रहित होता हैं। अतः तार्किक समझ तथा सही और गलत के बीच भेद करने की बौद्धिकता भी प्रदान करता हैं। यही कारण है कि साहित्य को नैतिक, मानवीय और विश्वबन्धुत्व के भाव पैदा करने वाला अनुशासन कहा जाता है।

विभाग प्रभारी डॉ. विमलेश शर्मा ने सत्र पर्यन्त आयोजित की गई गतिविधियों का ब्यौरा प्रदान किया, जिसमें विशिष्ट साहित्यकारों के स्मृति दिवस, हिन्दी दिवस तथा अन्य शोध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि साहित्य एक समृद्ध विधा है जिसमें रोजगार के भी अनेक अवसर विद्यमान है। हिन्दी विभाग के सदस्य जयकृष्ण त्रिपाठी ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का संचालन एवं विधार्थियों को प्रबोधित किया। प्रश्नोत्तरी में हिन्दी साहित्य के विधात्मक विकास एवं प्रवृत्तियों से संबंधित प्रश्न छात्राओं से पूछे गए। हिन्दी विभाग की पूर्व छात्रा कृपि जोशी ने जिसने हाल ही में नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है, ने छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी किस प्रकार की जाए, इस विषय पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में वरिष्ठ संकाय सदस्य मीनाक्षी जैन ने भी विचार व्यक्त किए। डॉ. अंजु ने आभार जताया।

ये रहा परिणाम

शोधपत्र वाचन प्रतियोगिता में अफसाना बानो प्रथम और ऋषिका सक्सेना द्वितीय तथा मेघा एवं खुशबू जैलिया तृतीय रही। साहित्य संवाद परिषद् में खुशबू जैलिया अध्यक्ष, अफसाना बानो उपाध्यक्ष और तुलसी गुजराती सचिव तथऋषिका सक्सेना संयुक्त सचिव एवं आशु भाषण प्रतियोगिता में पिंकी कंवर प्रथम, चारू द्वितीय एवं शीतल शर्मा तृतीय और निकिता शर्मा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रेरणा पाराशर प्रथम, ऋषिका सक्सेना द्वितीय और अफसाना बानो तृतीय व चारू को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। साक्षात्कार प्रतियोगिता में प्रेरणा पाराशर प्रथम, पिंकी कंवर द्वितीय, अफसाना बानो व शीतल शर्मा तृतीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पिंकी कंवर प्रथम, खुशबू जैलिया द्वितीय और शीतल शर्मा तृतीय रहीं।

Dainik Navajyoti

Lecture on Eminent writers work- Ek lok geet ke vidyapati by Dr.Vimlesh Sharma on dated 12-04-2024 for B.A. Part one students.

Extra Classes for competitive Exams by Hindi Department

Ph.D Viva of Sunita Kumari, research scholar in Hindi Literature subject on 27th May 2024

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

क्रमांकः एफ–15 /शोध/मदसविवि/ दिनांकः 27.05.2024

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि, डॉ. विश्वेश शर्मा

दिनांकः 27.5.2024 को शोधार्थी सुनीता कुमारी की शोध मौखिक परीक्षा हेतु शोध पर्यवेक्षक/~~सह–शोध–पर्यवेक्षक~~/~~बाह्य परीक्षक~~ के रूप में विश्वविद्यालय में उपस्थित हुए।

अति.प्रशा.अधिकारी (शोध)

पत्रिका

पीचएडी की उपाधि

अजमेर @ पत्रिका. महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी ने सुनीता कुमारी को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने अपना शोध कार्य राजस्थान की हिंदी कहानी-संवेदना और शिल्प विषय पर डॉ. विमलेश शर्मा के निर्देशन में पूरा किया है।

31/05/2024 | Ajmer City | Page : 9
Source : https://epaper.patrika.com/

सुनिता कुमारी को मिली पीएचडी की उपाधि

न्यूज सर्विस/नवज्योति, नवलगढ़। पोदार कॉलेज के उप प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार सैनी की धर्म पत्नी सुनिता कुमारी निवासी माताजी की ढाणी नवलगढ़ को उनके शोध प्रबंध राजस्थान की स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानीः

संवेदना और शिल्प विषय पर पूर्ण करने पर महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर ने पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। शोधकार्य डॉ विमलेश शर्मा, सहायक आचार्य हिंदी विभाग सावित्री बाई राजकीय कन्या महाविद्यालय, अजमेर के निर्देशन में पूर्ण किया है। पीएचडी उपाधि प्राप्त करने पर सुनिता कुमारी ने कहा कि यह सफर मेरे लिए अत्यंत प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक रहा है। मैं ईश्वर के साथ अपने गाइड डॉ विमलेश शर्मा, मेरे पति, मेरे परिवार के सभी सदस्यों एवं डॉ बी.एल.सैनी पूर्व निदेशक राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर, एम.डी. शानभाग अधिशासी निदेशक दी आनंदीलाल पोदार ट्रस्ट, नवलगढ़, अशोक सैनी विनायक कम्प्यूटर्स सहित हेतु भारद्वाज, नंद भारद्वाज, मनीषा कुलश्रेष्ठ एवं रजनी मोरवाल सहित सभी गुरुजनों की आभारी हूं, जिन्होंने मुझे इस लक्ष्य को प्राप्त करने में सहयोग दिया।

शोध- उपाधि

Maharshi Dayanand Saraswati University
Ajmer

382
S No. ----

Provisional Certificate

Certified that thesis on the subject "Hindi Story of Rajasthan after Independence : Sensation or Craft."

Submitted by. Sunita kumari

for the degree of Doctor of philosiphY (Arts)

On 05.09.2023 has been approveed by the

Vice-Chancellor / ~~BOM at meeting held~~ on 29.05.2024

Ajmer
Dated 30.05.2024

Deputy Registrar (Res)

Signed by: Vimlesh Sharma
Location: Rajasthan, IN
Date: 01/06/2024 10:48:24